



हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. हिन्दी - द्वितीय सेमेस्टर

पाठ्यक्रम कूट-संकेत : एच.आई.एल.441 [HIL441]

पाठ्यक्रम शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास :आधुनिक काल

क्रेडिट : 04[एक क्रेडिट व्याख्यान , संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत सम्पर्क के 10 घंटे के बराबर, प्रयोगशाला / व्यावहारिक कार्य / ट्यूटोरियल / शिक्षक नियंत्रित गतिविधियाँ के 5 घंटे और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य , सामूहिक कार्य , निर्धारित अनिवार्य / वैकल्पिक कार्य , साहित्य समीक्षा , पुस्तकालय कार्य , तथ्य संग्रह , शोध-पत्र लेखन , सेमिनार, प्रबंध लेखन इत्यादि के 15 घंटे के समान हैं]

पाठ्यक्रमउद्देश्य : पाठ्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को साहित्य इतिहास के जीवन्त तथा शाश्वत तत्त्वों के संग्रहण की क्षमता से पूर्ण करना है; साथ ही छात्रों को आधुनिक हिन्दी साहित्य की बहुविस्तृत विरासत से परिचित कराते हुए एक विशेष साहित्यिक परंपरा के गहन अध्ययन और विश्लेषण का अवसर देना है |

उपस्थितिअनिवार्यता : पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु छात्र का सभी कक्षाओं में उपस्थित होना अनिवार्य है |न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज न होने पर छात्र को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जासकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क.] मिड टर्म परीक्षा - 25%

ख.] एंड टर्म परीक्षा - 50%

ग.] सतत आंतरिक मूल्यांकन - 25%

* पुस्तकालय कार्य - 5%

* गृह कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 10%

* कक्षा प्रस्तुतियां - 5%



हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. हिन्दी - द्वितीय सेमेस्टर

पाठ्यक्रम कूट-संकेत : एच.आई.एल.441 [HIL441]

पाठ्यक्रम शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास :आधुनिक काल

क्रेडिट-4

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई -1 आधुनिककाल

- आधुनिकता का अर्थ और स्वरूप
- आधुनिककाल की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- हिन्दी नवजागरण

इकाई - 2भारतेंदु युग तथा द्विवेदीयुग

- भारतेंदु युगीन पद्य साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- भारतेंदु युगीन गद्य साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- द्विवेदीयुगीन पद्य साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- द्विवेदी युगीन गद्य साहित्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई -3 छायावाद

- छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- प्रमुखछायावादी रचनाकार
- छायावाद का योगदान

इकाई - 4 प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता

- प्रगतिवाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकार
- प्रयोगवाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकार
- नई कविता: प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकार

इकाई - 5 समकालीन साहित्य

- समकालीनता की अवधारणा
- समकालीन हिंदी कविता
- समकालीन हिंदी गद्य साहित्य
- गीत, नवगीत और गज़ल
- समकालीन पत्र-पत्रिकाएँ

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ.नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय

7. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा
8. हिन्दी साहित्य का अतीत : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास ; बच्चन सिंह
10. हिन्दी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास : डॉ.भागीरथ मिश्र
11. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : नन्द दुलारे वाजपेई
12. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह
13. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : राम कुमार वर्मा

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
मानविकी एवं भाषा संकाय
हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग
एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-2

पाठ्यक्रम शीर्षक - खड़ी बोली के पूर्व का काव्य: नीति काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य, सूफी

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: (HIL401)

श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय (1 श्रेय

व्याख्यान, संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य, ट्यूटोरियल, शिक्षक नियंत्रित गतिविधियों / कार्य के 5 घंटे; और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य, सामूहिक कार्य, निर्धारित अनिवार्य / वैकल्पिक कार्य, साहित्य समीक्षा, पुस्तकालय कार्य, तथ्य संग्रह, शोधपत्र लेखन, सेमिनार, प्रबंध लेखन, इत्यादि के 15 घंटे के समान है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को (एम.ए, हिन्दी) भक्तिकाव्य की स्वर्णिम परम्परा से परिचित करना है। भक्तिकाव्य ने न केवल सामाजिक एका स्थापित किया बल्कि साहित्यिक भागीदारी भी प्रस्तुत की। सामाजिक समरसता स्थापित करने एवं लोक को प्रश्रय देने के लिए भी यह काव्य जाना जाता है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम की सहायता से विद्यार्थियों की भाव-संवेदना को भक्ति-काव्य से जोड़कर उनके भीतर अतीत की संतुलित समझ का विकास करना है, जिससे कि वे जागरूक अध्येता बन सकें।

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु विद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है। न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है।

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्यावधि परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आंतरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायोगिक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
मानविकी एवं भाषा संकाय
हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग,सेमेस्टर-2

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: HIL 401

क्रेडिट- 4

पाठ्यक्रम शीर्षक - खड़ी बोली के पूर्व का काव्य: नीति काव्य,राम काव्य,कृष्ण काव्य,सूफी

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1 खड़ी बोली के पूर्व का काव्य : भक्ति संदर्भ

- क) भक्ति: उद्भव एवं विकास
- ख) विभिन्न सम्प्रदाय एवं भक्ति की अवधारणा
- ग) भक्ति आन्दोलन : सामाजिक परिदृश्य और हिन्दी समीक्षा
- घ) हिन्दी भक्तिकाव्य : सामान्य प्रवृत्तियाँ, साहित्यिक योगदान

इकाई-2 खड़ी बोली के पूर्व का नीतिकाव्य

- क) भक्तिकालीन सामाजिक, राजनीतिक दशा
- ख) नीतिकाव्य : प्रमुख विशेषताएँ, प्रमुख कवि रचनाएं
- ग) कबीर : भक्ति,सामाजिक चिंतन
- घ) कबीर :पाठ विवेचन- [कबीर ग्रंथावली, श्यामसुंदर दास(सम्पादन-
पद संख्या : 1,2,3,4,5,6,8,16,43,45,49,51,55
- ङ) रैदास : साधना-पद्धति,काव्य-सौष्ठव
- च) रैदास : पाठ विवेचन- [रैदास बानी, डॉ. शुकदेव सिंह (सम्पादन -
पद संख्या : 2,4,6,21,56,74,94,97,106,114,128,140)

इकाई-3 खड़ी बोली के पूर्व का सूफिकाव्य

- क) हिन्दी सूफी काव्य : विशेषताएँ
- ख) जायसी : रहस्यवाद,ग्राम-बोध
- ग) पद्मावत : समासोक्ति-अन्योक्ति
- घ) पद्मावत : पाठ विवेचन - ['मानसरोदक खण्ड' (जायसी ग्रंथावली, आचार्य रामचंद्र शुक्ल(सम्पादन)

इकाई-4 खड़ी बोली के पूर्व का रामकाव्य

- क) तुलसी : लोक धर्म, समन्वय की भावना
- ख) सुन्दरकाण्ड : कथावस्तु, भाव पक्ष-कला पक्ष
- ङ) सुन्दरकाण्ड : पाठ विवेचन - ['सुन्दरकाण्ड' (श्रीराम चरित मानस : पंचम सोपान, योगेन्द्र प्रताप सिंह
(सम्पादन)

इकाई-5 खड़ी बोली के पूर्व का कृष्ण काव्य

- क) सूर : भक्तिभावना, वात्सल्य वर्णन
- ख) सूरसागर : कथावस्तु का वैशिष्ट्य
- ग) सूर सागर : पाठ विवेचन- ['गोकुल लीला' (सूरसागर सटीक : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
(सम्पादन)
- घ) मीरा का काव्य : सामाजिक पक्ष, काव्यानुभूति
- ङ) मीराबाई की पदावली :पाठ विवेचन- [मीराबाई की पदावली भाग दो, आचार्य परशुराम चतुर्वेदी (सम्पादन -
पद संख्या : 17,19,33,74,75,83,86,89)

आधार ग्रन्थ :

1. श्यामसुन्दर दास (सम्पादन) ' कबीर ग्रन्थावली',लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद-211001, द्वितीय संस्करण: 2011
2. डॉ. सत्यनारायण सिंह मध्ययुगीन काव्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
3. डॉ. मोहनलाल तिवारी (संपादन) 'मलिक मुहम्मद जायसी और पद्मावत',विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
4. डॉ.धीरेन्द्र वर्मा (संपादन) 'सूर सागर' सटीक, साहित्य भवन प्रा.लि.56,इलाहाबाद
5. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी मीराबाई की पदावली, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग,इलाहाबाद
6. योगेन्द्र प्रताप सिंह (सम्पादन) श्रीराम चरित मानस : पंचम सोपान सुन्दरकाण्ड, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद-1
7. आचार्य रामचंद्र शुक्ल(सम्पादन) जायसी ग्रन्थावली,प्रकाशन संस्थान,नई दिल्ली-11 0002
8. डॉ. शुकदेव सिंह (सम्पादन) रैदास बानी, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली

संदर्भ ग्रन्थ :

9. डॉ. सुमन शर्मा मध्यकालीन भक्ति-आन्दोलन का सामाजिक विवेचन,विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी,प्रथम संस्करण :1974
10. शिवकुमार मिश्र भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद-1, संस्करण: 2012
11. आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिन्दी साहित्य का इतिहास
12. परमानंद श्रीवास्तव (सम्पादन) सूरदास मूल्यांकन पुनर्मूल्यांकन, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद,प्रथम संस्करण: 2003
- 11.. सदानंद साही (सम्पादन) जायसी :आकलन के आयाम,अभिव्यक्ति प्रकाशन,इलाहाबाद, संस्करण: 2006
12. आचार्य रामचंद्र शुक्ल गोस्वामी तुलसीदास',प्रकाशन संस्थान ,नई दिल्ली, प्रथम संस्करण: 2004
- 13 पल्लव (सम्पादन) मीरा :एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन,पंचकूला,हरियाणा



हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए (हिन्दी),सेमेस्टर-2, जनवरी 2019

पाठ्यक्रम कूट-संकेत : एच.आई.एल. 430[HIL430]

पाठ्यक्रम शीर्षक : साहित्य सिद्धांत : प्राचीन

क्रेडिट : 2 [एक क्रेडिट व्याख्यान , संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत सम्पर्क के 10 घंटे के बराबर, प्रयोगशाला / व्यावहारिक कार्य / ट्यूटोरियल / शिक्षक नियंत्रित गतिविधियाँ के 5 घंटे और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य , सामूहिक कार्य , निर्धारित अनिवार्य / वैकल्पिक कार्य , साहित्य समीक्षा , पुस्तकालय कार्य , तथ्य संग्रह , शोध-पत्र लेखन , सेमीनार, प्रबंध लेखन इत्यादि के 15 घंटे के सामान हैं]

पाठ्यक्रमउद्देश्य : पाठ्यक्रमकाउद्देश्य साहित्य -सिद्धांत की प्राचीन परंपरा से छात्रों को परिचित कराना है, ताकि वे संस्कृत साहित्य सिद्धांतों से न केवल अवगत हों बल्कि उसके संग्रहणीय तत्त्वों से लाभान्वित हों तथा साहित्य के मूल्यांकन की विवेकपूर्ण दृष्टि उनमें विकसित हो सके ।

उपस्थितिअनिवार्यता : पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु छात्र का सभी कक्षाओं में उपस्थित होना अनिवार्य है ।न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज न होने पर छात्र को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जासकता है ।

मूल्यांकन मापदंड :	क.] मिड टर्म परीक्षा -	25%
	ख.] एंड टर्म परीक्षा -	50%
	ग.] सतत आंतरिक मूल्यांकन -	25%
	* पुस्तकालय कार्य -	5%
	* गृह कार्य -	5%
	* कक्षा परीक्षा -	10%
* कक्षा प्रस्तुतियां -	5%	



हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. हिन्दी - द्वितीय सेमेस्टर

कोर्स कोड - HIL 430 क्रेडिट -2

पाठ्यक्रम शीर्षक : साहित्य सिद्धांत : प्राचीन

पाठ्यक्रम विवरण -

इकाई- 1 साहित्य सिद्धांत: अर्थ और स्वरूप

- साहित्य का अर्थ एवं स्वरूप
- साहित्य सिद्धांत का महत्त्व

इकाई - 2 प्राचीन साहित्य सिद्धांत - 1

- काव्य लक्षण
- काव्य हेतु
- काव्य प्रयोजन

इकाई -3 प्राचीन साहित्य सिद्धांत - 2

- रस का स्वरूप
- रस के विभेद
- रस निष्पत्ति

इकाई - 4 प्राचीन साहित्य सिद्धांत - 3

- ध्वनि का स्वरूप
- ध्वनि के प्रमुख भेद
- अलंकार का स्वरूप
- अलंकार के प्रमुख भेद

इकाई- 5 प्राचीन साहित्य सिद्धांत - 4

- रीति सिद्धांत
- वक्रोक्ति सिद्धांत
- औचित्य सिद्धांत

सन्दर्भ ग्रन्थ :

14. रस मीमांसा : आचार्य राम चन्द्र शुक्ल
15. संस्कृत आलोचना : बलदेव उपाध्याय
16. काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ.नगेन्द्र
17. काव्यशास्त्र : भागीरथ मिश्र

18. भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी
19. भारतीय काव्यशास्त्र : गणेश त्रयम्बक देशपांडे
20. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी
21. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ.तारक नाथ बाली
22. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. विश्वनाथ उपाध्याय



हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. हिन्दी - द्वितीय सेमेस्टर

कोर्स कोड.-409 (HIL 409) क्रेडिट-4

पाठ्यक्रम शीर्षक- उपन्यास

श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल,शिक्षक नियंत्रित गतिविधियों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,सेमिनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को हिन्दी साहित्य की विशिष्ट और समृद्ध विधा उपन्यास से परिचित कराना है तथा उसका सम्पूर्णता से मूल्यांकन विश्लेषण करना है | उपन्यास की ऐतिहासिक परंपरा के साथ छात्र विभिन्न युगों के उपन्यासों की विशेष प्रवृत्तियों का अध्ययन कर सकेंगे,साथ ही कुछ कालजयी उपन्यासों के पाठ-विश्लेषण के माध्यम से साहित्य के अध्ययन की विशिष्ट दृष्टि अर्जित कर सकेंगे |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु विद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज ना होने पर विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड :

क) मध्यावधि परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आंतरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायोगिक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%



हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. हिन्दी - द्वितीय सेमेस्टर

पाठ्यक्रम शीर्षक- उपन्यास

क्रेडिट- 4

कोर्स कोड. 409 (HIL 409)

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1 हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास

- क) हिन्दी में उपन्यास का आरम्भ
- ख) भारतेन्दुयुगीन उपन्यासों की प्रवृत्तियां

इकाई-2 प्रेमचंदयुगीन हिन्दी उपन्यास

- क) प्रेमचंदयुगीन उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियां
- ख) गोदान का पाठ-विश्लेषण तथा मूल्यांकन

इकाई-3 प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास -1

- क) प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियां
- ख) शेखर एक जीवनी (भाग-1) का पाठ-विश्लेषण तथा मूल्यांकन

इकाई-4 प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास -2

- क) बाणभट्ट की आत्मकथा का पाठ-विश्लेषण तथा मूल्यांकन
- ख] मैला आंचल का पाठ-विश्लेषण तथा मूल्यांकन

इकाई-5 समकालीन हिन्दी उपन्यास

- क) समकालीनता की अवधारणा
- ख) रागदरबारी का पाठ-विश्लेषण तथा मूल्यांकन
- ग) तमस का पाठ-विश्लेषण तथा मूल्यांकन

आधार ग्रन्थ -

- | | |
|-----------------------|-----------------------|
| 1. गोदान | प्रेमचंद |
| 2. शेखर एक जीवनी | अज्ञेय |
| 3. बाणभट्ट की आत्मकथा | हजारी प्रसाद द्विवेदी |
| 4. तमस | भीष्म साहनी |
| 5. रागदरबारी | श्रीलाल शुक्ल |
| 6. मैला आंचल | फणीश्वर नाथ रेणु |

सन्दर्भ ग्रन्थ -

8. प्रेमचंद और उनका युग रामविलास शर्मा
9. अज्ञेय के उपन्यास गोपाल राय
10. अठारह उपन्यास राजेन्द्र यादव
11. उपन्यास का विकास मधुरेश
12. उपन्यासकार हजारी प्रसाद द्विवेदी त्रिभुवन सिंह
13. उपन्यासकी संरचना गोपाल राय
14. आधुनिक हिंदी उपन्यास सं. भीष्म साहनी, डॉ. रामजी मिश्र



हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए (हिन्दी),सेमेस्टर-2, जनवरी 2019

पाठ्यक्रम शीर्षक - खड़ी बोली का काव्य : प्रकृति काव्य

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 404(HIL 404)

श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय (1 श्रेय

व्याख्यान,संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल,शिक्षक नियंत्रित गतिविधियों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,सेमिनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है ।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: हिन्दी की द्विवेदी युगीन कविता ने खड़ी बोली कविता का ढाँचा खड़ा किया,लेकिन उसे व्यवस्थित रूप में ढालने का काम छायावादी कविता के द्वारा हुआ । खड़ी बोली कविता की इस चिन्ताधारा ने हिन्दी कविता को नए शब्द दिए और ये शब्द प्रकृति के साहचर्य से आए । छायावादी कविता केवल शब्दों के रचाव के लिहाज से महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि इस कविता ने हिन्दी कविता की संवेदना को संस्कार दिया एवं सौन्दर्य चेतना का प्रसार किया । इस कविता के जरिए खड़ी बोली कविता की प्रकृति चेतना को उभार मिला । इस पाठ्यक्रम के तहत एम.ए हिन्दी के विद्यार्थियों को प्रकृति चेतना से परिचित कराना है,जिससे कि वे छायावादी कविता के विस्तृत फलक से रुबरू हो सकें ।

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु विद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है । न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है ।

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्यावधि परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आंतरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायोगिक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%



हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए (हिन्दी),सेमेस्टर-2, जनवरी 2019

पाठ्यक्रम शीर्षक - खड़ी बोली का काव्य : प्रकृति काव्य

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 404 (HIL 404) श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1 खड़ी बोली प्रकृति काव्य : एक परिचय

- ग) छायावाद : पृष्ठभूमि, कवियों-आलोचकों की दृष्टि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
घ) छायावाद: जागरण का स्वर, वैश्विक चेतना, साहित्यिक अवदान

इकाई-2 महादेवी वर्मा का काव्य

- क) महादेवी वर्मा : जीवन दर्शन, रहस्यवाद
ख) महादेवी वर्मा का काव्य : प्रकृति वर्णन, वेदना तत्व, गीति-तत्व
ग) महादेवी वर्मा की कविता का पाठ-विश्लेषण (संधिनी की प्रमुख कविताएँ :
2,3,4,5,7,8,11,14,15,18,21,22,29,30)

इकाई-3 सुमित्रानन्दन पंत का काव्य

- क) सुमित्रानन्दन पंत : जीवन दर्शन, सौन्दर्य -दृष्टि, काव्यगत विकास
ख) सुमित्रानन्दन पंत का काव्य : रहस्यवाद, काव्य-भाषा
ग) सुमित्रानन्दन पंत की कविता का पाठ-विश्लेषण : ('प्रथम रश्मि', 'जग के उर्वर आँगन में',
'ताज', 'स्त्री', 'बापू के प्रति', 'ग्राम देवता')

इकाई-4 जयशंकर प्रसाद का काव्य

- क) कामायनी : सौन्दर्य-सौष्ठव, सामरस्य सिद्धान्त, भाव-पक्ष, कला-पक्ष, प्रासंगिकता
ख) जयशंकर प्रसाद की कविता का पाठ-विश्लेषण : कामायनी (श्रद्धा सर्ग)

इकाई-5 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का काव्य

- क) 'मुक्त छन्द' और निराला
ख) निराला का काव्य : प्रकृति चित्रण, वंचितों का संसार, जागरण का स्वर
ग) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की कविता का पाठ-विश्लेषण : ('सरोज स्मृति', 'बांधों न नाव इस
ठांव बंधु', 'तुम और मैं', 'तोड़ती पत्थर')

सम्भावित ग्रन्थ :

आधार ग्रन्थ :

1. महादेवी वर्मा संधिरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद - 211001
2. जयशंकर प्रसाद कामायनी, राजकमल पेपर बैक्स, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली -110002
3. सुमित्रानन्दन पंत सुमित्रानन्दन पंत ग्रंथावली, भाग -1, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
4. नंदकिशोर नवल (सम्पादन) निराला रचनावली-2, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

संदर्भ ग्रन्थ :

5. डॉ. नामवर सिंह छायावाद , राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
6. डॉ. नगेन्द्र सुमित्रानन्दन पंत, मयूर पेपरबैक्स, नोएडा-201301
7. गणपति चन्द्र गुप्त महादेवी नया मूल्यांकन, लोक भारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, इलाहाबाद -211 001
8. डॉ. ए. अरविन्दाक्षन (संपादन) निराला एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, पंचकूला -134 113
9. विनोद शाही जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन, प्रा.लि., पंचकूला, हरियाणा-134113
10. नन्द दुलारे वाजपेयी कवि सुमित्रानन्दन पन्त, लोक भारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, इलाहाबाद -211 001



हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए (हिन्दी),सेमेस्टर-2, जनवरी 2019

कोर्स कोड. 450 (HIL 450)

पाठ्यक्रम शीर्षक- हिन्दी का लोकप्रिय साहित्य

श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय (1 श्रेय

व्याख्यान,संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल,शिक्षक नियंत्रित गतिविधियों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,सेमिनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का लक्ष्य विद्यार्थियों को हिन्दी के लोकप्रिय साहित्य से परिचित कराना है | जिन विद्यार्थियों की अभिरुचि हिन्दी के लोकप्रिय साहित्य में है,उन्हें हिन्दी की लोकप्रिय कहानियों,उपन्यासों एवं मंचीय कविता की समृद्ध परम्परा से वाकिफ कराना इस 'यूनिवर्सिटी वाईड' पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य है |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु विद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्यावधि परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आंतरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायोगिक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1 लोकप्रिय साहित्य : अवधारणा एवं विकास (4 घंटे)

- क) लोक का अर्थ एवं स्वरूप,शास्त्र एवं लोक में अंतर
- ख) लोक साहित्य की अवधारणा,लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति
- ग) हिन्दी के लोकप्रिय साहित्य का विकास

इकाई-2 हिन्दी का प्रारंभिक लोकप्रिय साहित्य (4 घंटे)

- क) देवकीनंदन खत्री कृत चन्द्रकान्ता का आलोचनात्मक अध्ययन
(सन्दर्भ- पहला अध्याय)
- ख) गोपाल राम गहमरी की कहानी का आलोचनात्मक अध्ययन
- ग) प्रेमचंद की कफन कहानी का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई-3 हिन्दी का उत्तरोत्तर लोकप्रिय कथा साहित्य (4 घंटे)

- क) इब्ने सफी के उपन्यास का अध्ययन
- ख) वेदप्रकाश शर्मा के उपन्यास का अध्ययन
- ग) धर्मवीर भारती के उपन्यास का अध्ययन

इकाई-4 हिन्दी के प्रमुख लोकप्रिय गीतकार एवं उनके गीत (3 घंटे)

- घ) हरिवंशराय 'बच्चन'
- ड) गोपाल सिंह 'नेपाली'
- च) गोपालदास 'नीरज'

इकाई-5 हिन्दी के प्रमुख लोकप्रिय ग़ज़लकार एवं उनकी ग़ज़लें (5 घंटे)

- क) शमशेर बहादुर सिंह
- ख) दुष्यंत कुमार
- ग) गोपालदास 'नीरज'
- घ) कुँअर बेचैन

आधार ग्रन्थ :

- 1 .डा. विष्णु सक्सेना (संपादन) लोकप्रियता के शिखर गीत, राधाकृष्ण प्रकाशन,
नई-दिल्ली,पहला संस्करण: 2013
2. डॉ. सुरेश कुमार जैन (संपादन) काव्य कल्पद्रुम, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली-110002
संस्करण:2008,2009
- 3.रंजना अरगड़े (सम्पादन) सुकून की तलाश
- 4.दुष्यंत कुमार 'साये में धूप',
- 5.गोपालदास 'नीरज' 'नीरज की पाती'
- 6.कुँअर बेचैन शामयाने कांच के

सन्दर्भ ग्रन्थ :

10. डॉ.सी. वसंता गीतकार नीरज,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली-110002
- 11.डा. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (संपादन) बीसवीं सदी का हिन्दी साहित्य,भारतीय
ज्ञानपीठ,दिल्ली
12. डॉ. नरेश हिन्दी गज़ल : दशा और दिशा,वाणी प्रकाशन,नई
दिल्ली-110002



हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए (हिन्दी),सेमेस्टर-2, जनवरी 2019

पाठ्यक्रम शीर्षक - पटकथा लेखन

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 445(HIL 445)

श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय (1 श्रेय

व्याख्यान,संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल,शिक्षक नियंत्रित गतिविधियों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,सेमिनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:एम.ए के विद्यार्थियों को पटकथा लेखन की परिचयात्मक रूपरेखा से अवगत कराना है | यही नहीं इस पाठ्यक्रम के जरिये दूरदर्शन पटकथा लेखन,रेडियो पटकथा लेखन एवं फिल्म पटकथा के विभिन्न अवयवों की पड़ताल भी कराना है |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु विद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्यावधि परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आंतरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायोगिक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%



हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए (हिन्दी),सेमेस्टर-2, जनवरी 2019

पाठ्यक्रम शीर्षक - पटकथा लेखन

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 445(HIL 445)

श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1 पटकथा : अर्थ एवं स्वरूप

(

4घंटे)

- ड) पटकथा परिभाषा एवं स्वरूप
- च) पटकथा लेखन एवं समाज
- छ) पटकथा के लिए उपयुक्त कहानी का चयन
- ज) समकालीन परिदृश्य में पटकथा की भूमिका

इकाई-2 हिन्दी पटकथा के विभिन्न प्रकार- 1

(

4 घंटे)

- छ) फीचर फिल्मों की पटकथा
- ज) डाक्यूमेंट्री एवं डाक्यूड्रामा
- झ) रेडियो पटकथा लेखन एवं दृष्टि
- ञ) रेडियो नाटक लेखन एवं विभिन्न तत्व
- ट) रेडियो रूपक

इकाई-3 हिन्दी पटकथा के विभिन्न प्रकार- 2

(

4घंटे)

- घ) दूरदर्शन पटकथा
- ड) सोप ओपेरा की पटकथा
- च) विज्ञापन फिल्मों की पटकथा
- छ) पटकथाकार के विभिन्न गुण
- ज) हिन्दी पटकथा में अर्थ व्यवस्था-नीति

इकाई-4 पटकथा के मूल घटक

(4 घंटे)

- ग) वस्तु विन्यास
- घ) परिस्थिति परियोजना
- ड) पात्र परिकल्पना
- च) संवाद कला

इकाई-5 पटकथा लेखन एवं भविष्यगत संभावनाएं

(

4 घंटे)

- घ) पटकथा लेखन और वर्तमान परिदृश्य
- ड) पटकथा लेखन में युवाओं की भूमिका
- च) पटकथा लेखन में फिल्म एवं टी.वी के कथात्मक लेखन में अंतर
- छ) पटकथा लेखन में आने वाली मूलभूत समस्याएँ
- ज) समकालीन परिदृश्य में पटकथा लेखन की प्रासंगिकता

सम्भावित ग्रन्थ :

1. असगर वजाहत व्यावहारिक निर्देशिका
पटकथा लेखन, राजकमल प्रकाशन, प्रा.लि.नई दिल्ली-110 002
2. डॉ. चन्देश्वर यादव अनंग प्रकाशन, दिल्ली- 110053
3. मनोहर श्याम जोशी पटकथा लेखन : एक परिचय, राजकमल प्रकाशन, प्रा.लि.नई दिल्ली-110 002

व्याख्यान योजना-

पाठ्यक्रम शीर्षक - पटकथा लेखन

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 445(HIL 445)

श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

व्याख्यान संख्या	व्याख्यान विषय	सम्भावित स्रोत
1	इकाई एक प्रारम्भ, पटकथा : अर्थ एवं स्वरूप क) पटकथा परिभाषा एवं स्वरूप ख) पटकथा लेखन एवं समाज	पाठ्यपुस्तक 1
2	ग) पटकथा के लिए उपयुक्त कहानी का चयन घ) समकालीन परिदृश्य में पटकथा की भूमिका	पाठ्यपुस्तक 1
3-4	इकाई दो प्रारम्भ: हिन्दी पटकथा के विभिन्न प्रकार- 1 क) फीचर फिल्मों की पटकथा ख) डाक्यूमेंट्री एवं डाक्यूड्रामा	पाठ्यपुस्तक 2,3
5-5	ग) रेडियो पटकथा लेखन एवं दृष्टि घ) रेडियो नाटक लेखन एवं विभिन्न तत्व ङ) रेडियो रूपक	पाठ्यपुस्तक 2,3
7-8	इकाई तीन प्रारम्भ, हिन्दी पटकथा के विभिन्न प्रकार- 2 क) दूरदर्शन पटकथा ख) सोप ओपेरा की पटकथा	पाठ्यपुस्तक 2,
9	ग) विज्ञापन फिल्मों की पटकथा घ) पटकथाकार के विभिन्न गुण	पाठ्यपुस्तक 2
10	ङ) हिन्दी पटकथा में अर्थ व्यवस्था-नीति	पाठ्यपुस्तक 2,3
11-12	इकाई चार प्रारम्भ, पटकथा के मूल घटक क) वस्तु विन्यास	पाठ्यपुस्तक 2
13	ख) परिस्थिति परियोजना	पाठ्यपुस्तक 2
14-16	ग) पात्र परिकल्पना घ) संवाद कला	पाठ्यपुस्तक 2
17-18	इकाई पाँच प्रारम्भ, पटकथा लेखन एवं भविष्यगत संभावनाएं क) पटकथा लेखन और वर्तमान परिदृश्य ख) पटकथा लेखन में युवाओं की भूमिका	पाठ्यपुस्तक 2,3
19-20	ग) पटकथा लेखन में फिल्म एवं टी.वी के कथात्मक लेखन में अंतर घ) पटकथा लेखन में आने वाली मूलभूत समस्याएँ ङ) समकालीन परिदृश्य में पटकथा लेखन की प्रासंगिकता	पाठ्यपुस्तक 2,3

--	--	--